अवैध कब्जा — फर्जी दस्तावेज, शासकीय अभिलेखों से छेड़छाड़ कर भूमि पर किया जा रहा अवैध कब्जा

शासन की बेशकीमती भूमि पर भूमाफिया का अवैध कब्जा

नवभारत, धनपुर/ बुढार। नगर पालिका परिषद धनपुरी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 02 की बेशकीमती जमीन पर भूमाफियाओं का कब्जा अनवरत जारी है तहसील कार्यालय बुढार से लगी शासन की बेशकीमती भूमि पर भूमाफियाओं ने अतिक्रमण करते हुए अपने नाम की बाउंड्री वॉल खड़ी कर शासन एवं प्रशासन को खुली चुनौती दी है हास्यास्पद बात यह है की तहसील कार्यालय परिसर जहां लोग राजस्व से संबंधित मामलों की शिकायत के लिए बड़ी संख्या में पहुंचते हैं वहां से ही लगी हुई जमीन पर भूमाफियाओं का कब्जा गंभीर प्रश्न चिन्ह खड़े करता है सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार भूमाफिया लगातार तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू मनोज सिंह जो की चौदह वर्षों से एक ही तहसील में पदस्थ हैं उससे सांठ

गांठ कर अपने फायदे के लिए शासन की बेशकीमती भूमियों पर लगातार क्षेत्र भर में अवैध कब्जा करते आ रहे हैं ताजा मामला है खसरा नंबर 127 भूमि का लगभग पांच एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा किया गया शिकायत प्राप्त होने पर महज खानापूर्ति की कार्यवाही करते हुए 2 एकड़ भूमि कब्जा धारियों से के चुंगल से वापस लेने का पूर्णतः इंतजाम तहसील बुढार प्रशासन कर चुका है किंतु तीन एकड़ भूमि आज भी अवैध कब्जाधारी कब्जाए हुए हैं जिसे अतिक्रमण मुक्त कराए जाने हेतु राजस्व विभाग बुढार तहसील बुढार के द्वारा किसी भी प्रकार की ठोस और निर्णायक कार्यवाही नही की जा रही है जिससे यह प्रतीत होता है की तहसील कार्यालय में अंदर बैठे बाबू और भूमाफियाओं के बीच कितना घनिष्ठ संबंध है।

बाबू मनोज सिंह की काली कमाई का क्या है राज, आय से अधिक संपत्ति की हुई जांच तो होगा पर्दाफाश

पूर्व में कई प्रकार की शिकायतें भी तहसील कार्यालय बुढार पहुंची है लेकिन आज तक दिव्यांगता को अपनी ढाल बनाकर खुद को करोड़ों रुपए का वारा न्यारा कर शासन प्रशासन को गुमराह करते आ रहा है। नवागत अधिकारियों के चार्ज लेने पर इसके द्वारा ही सभी प्रकार के मैनेजमेंट के षडयंत्र और सभी कारनामे अधिकारियों को भ्रमित कर करवा लिए जाते हैं।

मामला गंभीर है ,तहसील बुढार उदासीन

खसरा नंबर 127 हल्का धनपुरी तहसील बुढार शासन की 5 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा करके रखा गया है खानापूर्ति करते हुए लगभग दो एकड़ जमीन अतिक्रमण करियों कब्जाई से मुक्त कराए जाने हेतु तहसील बुढार कागजी कार्यवाही कर चुका है। जबकि शेष तीन एकड़ पर आज भी अवैध निर्माण काबिज है। लगातार हो रही शिकायतों के बावजूद भी राजस्व विभाग की मिलीभगत से हुए बेशकीमती जमीनों के बंटाधार पर आज तक कोई ठोस कार्यवाही सुनिश्चित नही की गई है। इसमें संविदा कर्मी जो लगातार लगभग 14 वर्षों से तहसील बुढार में ही पदस्थ है जिसकी वजह लगातार तहसील और आसपास के क्षेत्रों की अवैध खरीद फरोख्त चरम पर है । मनोज सिंह का कॉलेज कॉलोनी में करोड़ों रुपए का मकान है और अगर इसकी संपत्ति की जांच को जाए तो इसके पास बड़ी मात्रा चल एवं अचल संपत्ति का एक बड़े साम्राज्य का पर्दाफाश हो सकता है। सूत्रों की माने तो जमीनों को खरीद फरोख्त में होने वाली सभी प्रकार की लीपापोती और जाली दस्तावेज साथ ही शासन के अभिलेखों के साथ खिलवाड़ ही इसके द्वारा अधिकारियों के साथ मिलकर किया जाता है।

जिपं सीईओ के खिलाफ भड़का सरपंच संघ में आक्रोश

सरपंच संघ का प्रदर्शन, सीईओ के तबादले की मांग

नवभारत,शहडोल। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) पर आदिवासी महिला सरपंच के साथ कथित अभद्र व्यवहार और अपमानजनक भाषा के प्रयोग के आरोपों को लेकर जिला सरपंच संघ ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे सरपंचों ने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और सीईओ के खिलाफ कार्रवाई तथा तत्काल स्थानांतरण की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो जिला पंचायत कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

सरपंच संघ के अनुसार, जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बोडरी की आदिवासी महिला सरपंच गणेशिया बाई बीते 6 जुलाई को अपनी पंचायत में लगभग चार माह से सचिव का पद रिक्त होने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर जिला पंचायत सीईओ से मिलने पहुंची थीं। उनका कहना है कि सचिव नहीं होने के कारण पंचायत के विकास कार्य, शासकीय दस्तावेजों का निष्पादन और ग्रामीणों से जुड़े कई आवश्यक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। महिला सरपंच का आरोप है कि समस्या सुनने और समाधान करने के बजाय सीईओ ने उनके साथ असम्मानजनक व्यवहार किया तथा अपशब्दों का प्रयोग करते हुए कार्यालय से बाहर जाने के लिए कहा। इस घटना की जानकारी अन्य सरपंचों को मिलने के बाद जिलेभर के जनप्रतिनिधियों में नाराजगी फैल गई और सभी ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया। कलेक्ट्रेट में सौंपे गए ज्ञापन में सरपंच संघ ने कहा कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि, विशेषकर आदिवासी महिला सरपंच के साथ इस प्रकार का व्यवहार प्रशासनिक गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि जिला पंचायत सीईओ का व्यवहार सरपंचों के साथ-साथ विभागीय कर्मचारियों के प्रति भी संतोषजनक नहीं है। जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह शिवम ने कहा कि यदि सात दिनों के भीतर सीईओ का स्थानांतरण नहीं किया गया तो जिले के सभी सरपंच पंचायत संबंधी कार्यों का बहिष्कार कर जिला पंचायत कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सीईओ ने आरोपों को बताया निराधार

वहीं, जिला पंचायत सीईओ ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि संबंधित पंचायत में सचिव की नियुक्ति के मामले में न्यायालय से स्थगन आदेश (स्टे) प्रभावी है, जिसकी जानकारी महिला सरपंच को दी गई थी। उनका कहना है कि उनके विरुद्ध लगाए जा रहे आरोप सुनियोजित और षड़यंत्र के तहत लगाए गए हैं।

शिवम प्रजापति
सीईओ, जिला पंचायत शहडोल

एक नजर में

बालिका संप्रेक्षण गृह का एसडीएम ने किया सुरक्षा अंकेक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नवभारत,शहडोल। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर अमृता गर्ग ने शासकीय बालिका संप्रेक्षण गृह, शहडोल का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बालिकाओं को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं, आवासीय व्यवस्था तथा संस्थान के संचालन संबंधी विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिलेश मिश्रा ने बताया कि जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं के अंतर्गत शासकीय बालिका संप्रेक्षण गृह संचालित है, जहां किशोर न्याय बोर्ड के आदेशानुसार विधि-विवादित बालिकाओं को रखा जाता है तथा उनके पुनर्वास एवं संरक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसी क्रम में कलेक्टर के निर्देश पर शासकीय बालिका संप्रेक्षण गृह के सुरक्षा अंकेक्षण के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अमृता गर्ग की अध्यक्षता में छह सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है, जो संस्थान की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

डॉ. कल्याण सरकार का बीसीसीएल स्थानांतरण

नवभारत,धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया के केंद्रीय चिकित्सालय, धनपुरी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. कल्याण सरकार का कोल इंडिया प्रबंधन द्वारा बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) में स्थानांतरण कर दिया गया है। वहां वे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) के पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके स्थानांतरण की सूचना के बाद चिकित्सालय के कर्मचारियों और क्षेत्र के लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। गौरतलब है कि फरवरी माह में डॉ. कल्याण सरकार का स्थानांतरण एसईसीएल के गेवरा एरिया से बिलासपुर मुख्यालय के आदेश पर केंद्रीय चिकित्सालय, धनपुरी में किया गया था। यहां पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लगातार प्रयास किए। सीमित समय के अपने कार्यकाल में उन्होंने व्यवस्थाओं में कई सकारात्मक बदलाव किए, जिसका लाभ मरीजों और उनके परिजनों को मिलने लगा था। केंद्रीय चिकित्सालय में लंबे समय से दवाइयों की उपलब्धता एक बड़ी समस्या बनी हुई थी। कई बार मरीजों को आवश्यक दवाइयों के लिए बाहर का रुख करना पड़ता था, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। डॉ. कल्याण सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और दवा आपूर्ति व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए लगातार प्रयास किए। उनके प्रयासों का ही परिणाम रहा कि वर्तमान समय में चिकित्सालय में पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाइयां उपलब्ध हैं, जिससे मरीजों को काफी राहत मिली है। इसके अलावा उन्होंने अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं को भी सुधारने पर विशेष ध्यान दिया। मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने, अस्पताल के संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने तथा कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए कई आवश्यक कदम उठाए गए। उनके नेतृत्व में अस्पताल का संचालन अधिक व्यवस्थित हुआ और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिला।

बजरंग दल सेवा सप्ताह के तहत किया गया पौधरोपण

विहिप -बजरंग दल के प्रांत सहसंयोजक ने किया कार्यकर्ताओं से संवाद

नवभारत,धनपुरी। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा आयोजित बजरंग दल सेवा सप्ताह के अंतर्गत धनपुरी नगर में विभिन्न सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर महाकौशल प्रांत के प्रांत सहसंयोजक रंजीत जी का शहडोल जिले के धनपुरी प्रखंड में प्रवास हुआ। उनके आगमन पर प्रखंड स्तर के कार्यकर्ताओं ने सेवा, पर्यावरण संरक्षण और गौ-सेवा से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया। अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान, धनपुरी में गौ-पूजन एवं गौ-सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां विधि-विधान से गौ माता का पूजन-अर्चन किया गया तथा उन्हें गुड़, चना और केले का भोग अर्पित किया गया। इसके साथ ही गौशाला परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण और गौ-सेवा के प्रति समाज को जागरूक करने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ-सेवा और प्रकृति संरक्षण का विशेष महत्व है तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इन कार्यों में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। प्रांत सहसंयोजक रंजीत जी ने सेवा सप्ताह के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन का प्रयास केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, गौ-सेवा और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर भी लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक सकारात्मक संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रमों के सफल आयोजन के बाद प्रांत सहसंयोजक रंजीत जी अनूपपुर के लिए रवाना हुए।

स्थापना दिवस पर भारत विकास परिषद ने लगाया नशा मुक्ति शिविर

विद्यार्थियों को किया जागरूक

नवभारत, शहडोल। भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल सिंदुरी भर्री में नशा मुक्ति जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ और नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। ग्राम सरपंच बिसाहू लाल बैगा ने कहा कि नशे की लत परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर कर देती है, जबकि नशामुक्त परिवार हमेशा खुशहाल और समृद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने अभिभावकों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें। मुख्य अतिथि एवं जिला चिकित्सालय के नशा मुक्ति नोडल प्रभारी डॉ. पुनीत श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जिससे दूर रहना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि तंबाकू और गुटखे जैसी आदतें आगे चलकर गंभीर बीमारियों का कारण बनती हैं और इसका दुष्प्रभाव पूरे परिवार व समाज पर पड़ता है। जिला चिकित्सालय के डॉ. अंशुमन सोनारे ने क्षेत्र में प्रचलित विभिन्न प्रकार के नशों की जानकारी देते हुए उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से नशे से दूरी बनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारत विकास परिषद की शाखा सचिव नीति सिंघल ने कहा कि नियमित योगाभ्यास नशे की लत से मुक्ति दिलाने में सहायक होता है। उन्होंने भ्रामरी प्राणायाम के लाभ बताते हुए विद्यार्थियों को प्रतिदिन इसका अभ्यास करने की सलाह दी। इस दौरान सूर्य नमस्कार का सामूहिक अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम में पंच संतोष साहू, गायत्री जायसवाल, अशोक मोर, अखिलेश शर्मा, विद्यालय परिवार से सुरेश कुमार गौतम, संजय तिवारी, संदीप केशरवानी, राजीव श्रीवास्तव, शर्मिला वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र मिश्रा एवं अजय शर्मा ने किया।

बुढार में कई विकास योजनाओं का भूमिपूजन आयोजित

विधायक जैतपुर जय सिंह रहे उपस्थित

नवभारत,बुढार । सुंदर बुढार स्वच्छ बुढार की परिकल्पना को मूर्त रूप देते हुए बुढार नगर परिषद के द्वारा कई प्रकार के विकास कार्य संपूर्ण नगर में करवाए जा रहे हैं इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 15 में भी आज कई विकास कार्य योजनाओं का भूमिपूजन जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री जय सिंह मरावी के मुख्य उपस्थिति साथ ही नगर परिषद बुढार की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के विशिष्ट आतिथ्य एवं नगर परिषद बुढार मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सौरभ श्रीवास्तव की उपस्थिति में संपन्न हुआ लगातार बुढार विकास पथ पर अग्रसर है और बुढार नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों का निरंतर सुगम संचालन नगर परिषद बुढार अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के नेतृत्व में हो रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प 2047 को गति देने के प्रयास से क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देकर बुढार नगर परिषद को आदर्श नगर परिषद बनाने का संकल्प जो शालिनी ने लिया था उसके अब सार्थक परिणाम भी सामने आने लग गए हैं जिससे क्षेत्र की जनता अत्यंत प्रसन्नता के साथ देख रही है और कार्यों का अभिनंदन कर क्षेत्रीय विधायक जय सिंह मरावी एवं बुढार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी और उनकी परिषद की भूरी भूरी प्रसंशा भी कर रही है ।

विकास कार्यों से समृद्धि की ओर बुढार परिषद अग्रसर

जैतपुर विधायक जय सिंह मरावी के आदर्श मार्गदर्शन और उनके प्रयासों से साथ ही बुढार नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के कुशल नेतृत्व में निम्न विकास कार्यों का किया गया भूमिपूजन जो इस प्रकार है भूमि पूजन किए गए कार्यों में मुख्य रूप से वार्ड कमांक 07 में फिल्टर प्लांट तिराहा से एफ .सी.आई गोदाम तक सीसी रोड निर्माण कार्य,वार्ड कमांक 15 में लक्ष्मण कोल के घर से आगे बस्ती तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य,वार्ड कमांक 5 में सूरज सोनी के घर से शारदा ट्रेडर्स के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड कमांक 07 में बड़ा तालाब से परियोजना कार्यालय तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य,वार्ड क्रमांक 15 में टिकुरी टोला बस्ती से दुर्गा मंदिर तक सी.सी. रोड एवं इलेक्ट्रिफिकेशन का कार्य, वार्ड कमांक 03 सोनारन टोला में टॉपलेयर सी.सी. रोड निर्माण कार्य।

तीन दिवसीय सत्संग का शुभारंभ, प्रभात फेरी व संकीर्तन में उमड़ रहे श्रद्धालु

नवभारत, शहडोल। जगद्गुरुत्तम स्वामी श्री कृपालु जी महाराज के प्रमुख प्रचारक डॉ. स्वामी युगल शरण जी के सान्निध्य में शहडोल के मोती महल होटल परिसर में 10 से 12 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय सत्संग एवं संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं सत्संगी शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार प्रतिदिन प्रातः 4 बजे स्वामी युगल शरण जी के सान्निध्य में संकीर्तन प्रभात फेरी निकाली जा रही है, जिसमें श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण करते हैं। इसके पश्चात सुबह तथा शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक सत्संग, संकीर्तन एवं आध्यात्मिक प्रवचनों का आयोजन किया जा रहा है। बताया गया कि शहडोल जिले में जगद्गुरुत्तम स्वामी श्री कृपालु जी महाराज के हजारों अनुयायी हैं और उनके सहयोग से शहडोल यूनिट का संचालन किया जाता है। समय-समय पर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं सत्संग का लाभ दिलाने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आयोजकों ने बताया कि स्वामी श्री युगल शरण जी महाराज, जगद्गुरुत्तम स्वामी श्री कृपालु जी महाराज द्वारा बताए गए भक्ति एवं जीव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम : विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत,शहडोल। उमंग स्वास्थ्य केंद्र द्वारा संचालित राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (त्रैज़) के अंतर्गत पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए एक स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के समाज कार्य एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नीलिमा खरे जी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय शहडोल से किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता पूनम सिंह ने आउटरीच गतिविधि के माध्यम से छात्र-छात्राओं को किशोर स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। स्वच्छता, किशोरावस्था में वृद्धि एवं विकास, यौवनारंभ के दौरान होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन, विवाह की वैधानिक आयु, गर्भनिरोधक उपाय, मासिक धर्म एवं मासिक धर्म स्वच्छता, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, यौन संचारित संक्रमण, एचआईवी/एड्स तथा मानसिक तनाव एवं तनाव प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

एसएफसी नेशनल चैंपियनशिप में मप्र का प्रतिनिधित्व करेंगे खिलाड़ी

11 से 14 जुलाई तक दिल्ली में होगी 8वीं एसएफसी नेशनल फाइनल चैंपियनशिप

नवभारत,शहडोल। दिल्ली स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 11 से 14 जुलाई तक आयोजित होने वाली 8वीं एसएफसी नेशनल फाइनल चौंपियनशिप में भाग लेने के लिए मध्यप्रदेश का दल रवाना हो गया है। टीम में शहडोल जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जो तीरंदाजी, बैडमिंटन और टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। तीरंदाजी (आर्चरी) प्रतियोगिता में रेलवे स्कूल शहडोल के जनन्यू शुक्ला, प्रीतम कुमार, कृषिका यादव, खुशी बेगम, समीक्षा किसान एवं रिमझिम केवट मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में रेलवे स्कूल शहडोल के खिलाड़ियों का भी चयन हुआ है।

आहान करेंगे बैडमिंटन का प्रतिनिधित्व

बैडमिंटन प्रतियोगिता में ज्ञानोदय स्कूल शहडोल के आहान सिंह राणा एवं खुशी सिंह, महर्षि स्कूल कल्याणपुर की शानवी सोनी एवं मान्यता द्विवेदी, ब्राइटन स्कूल के आसिद खान, एमजीएम धनपुरी की आर्या मांझी तथा शासकीय माध्यमिक विद्यालय अमलाई के दक्ष कुमार मिश्रा मध्यप्रदेश टीम का हिस्सा हैं। टीम के साथ कोच मोहम्मद रहीम खान, शिवानी नामदेव एवं नमिता यादव खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे।

परेशानी — सुभाष चौक से रेलवे फाटक तक जर्जर सड़क, अंधेरे और गंदगी से लोगों का जीवन हो रहा प्रभावित

आधे वार्डों में मूलभूत सुविधाओं का संकट, श्रमिक कॉलोनियों के रहवासी परेशान

नवभारत,धनपुरी । धनपुरी नगर पालिका के अंतर्गत आने वाले 28 वार्डों में लगभग आधे वार्ड कोयलांचल क्षेत्र में स्थित हैं। इनमें अधिकांश वार्ड सोहागपुर क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, जहां आधा दर्जन से अधिक श्रमिक कॉलोनियां भी मौजूद हैं। कभी औद्योगिक और खनन गतिविधियों के कारण पहचान रखने वाला यह क्षेत्र आज बुनियादी सुविधाओं के अभाव में विकास से काफी पीछे नजर आ रहा है। जिस कोयलांचल क्षेत्र को नगर पालिका का सबसे विकसित इलाका होना चाहिए था, वहीं आज बदहाल सड़कें, टूटी नालियां, गंदगी और अंधेरे जैसी समस्याएं आम लोगों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं।

जानकार बताते हैं कि इन श्रमिक कॉलोनियों का निर्माण क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा कराया गया था। एक समय ऐसा था जब कॉलोनियों की साफ-सफाई, सड़कों का रखरखाव, नालियों की मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक सुविधाओं का जिम्मा भी

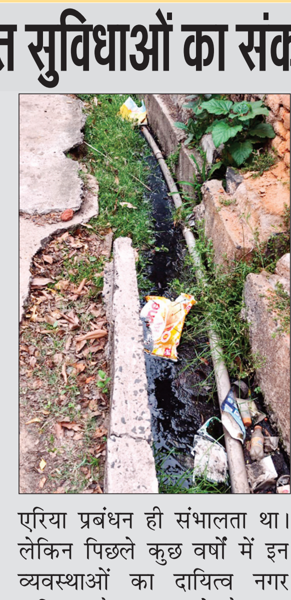

एरिया प्रबंधन ही संभालता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन व्यवस्थाओं का दायित्व नगर पालिका के पास आने के बाद अपेक्षित स्तर पर सुधार देखने को नहीं मिला। नगर पालिका द्वारा सफाई, निर्माण कार्य और प्रकाश व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने के बावजूद हालात लगातार बिगड़ते नजर आ रहे हैं। कोयलांचल क्षेत्र के अधिकांश वार्डों में सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। जगह-जगह बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं, जबकि नालियां टूटने और जाम होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है कोयलांचल क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या सुभाष चौक से रेलवे फाटक तक जाने वाली मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति है। यह मार्ग कई वर्षों से जर्जर अवस्था में है और हजारों लोगों की दैनिक आवाजाही इसी रास्ते से होती है। सड़क की खराब स्थिति के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से इस सड़क के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण की मांग की जा रही है। कुछ समय पहले यह चर्चा भी रही कि नगर पालिका द्वारा इस सड़क का चौड़ीकरण कराया जाएगा, लेकिन आज तक यह योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। परिणामस्वरूप लोगों को हर दिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क सुधार को लेकर एरिया प्रबंधन की ओर से भी समय-समय पर आश्वासन दिए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही है। जिम्मेदार विभागों के बीच समन्वय के अभाव का खामियाजा आम नागरिक भुगत रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि नगर पालिका और संबंधित प्रबंधन मिलकर योजना बनाएं तो इस क्षेत्र की अधिकांश समस्याओं का समाधान संभव है। प्रकाश व्यवस्था भी कोयलांचल क्षेत्र की एक बड़ी समस्या बन चुकी है। शाम ढलते ही कई मोहल्ले और मुख्य मार्ग अंधेरे में डूब जाते हैं। कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं या पर्याप्त संख्या में नहीं लगी हैं। अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं और असामाजिक गतिविधियों की आशंका बढ़ जाती है, जिससे महिलाएं, बुजुर्ग और स्कूली छात्र-छात्राएं विशेष रूप से असुरक्षित महसूस करते हैं।

दो भूमिगत खदानों को 5-स्टार रेटिंग से राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

नवभारत, धनपुरी। सोहागपुर एरिया ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति, सुरक्षित संचालन और वैज्ञानिक खनन की बदौलत राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा जारी प्रतिष्ठित स्टार रेटिंग में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की पाँच खदानों को सर्वोच्च 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। इनमें सबसे बड़ी उपलब्धि सोहागपुर एरिया के हिस्से आई है, जहां की बंगवार भूमिगत खदान और खैरहा भूमिगत खदान को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। किसी एक मूल्यांकन वर्ष में एसईसीएल की पाँच खदानों को एक साथ 5-स्टार रेटिंग मिलना कंपनी के इतिहास की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हो गया है।

एसईसीएल की जिन पाँच खदानों को यह सर्वोच्च रेटिंग मिली है उनमें सोहागपुर क्षेत्र की बंगवार और खैरहा भूमिगत खदानों के अलावा जोहिला क्षेत्र की बेहराबांध भूमिगत खदान, हसदेव क्षेत्र की विजय वेस्ट भूमिगत

खदान तथा भटगांव क्षेत्र की जगन्नाथपुर ओपनकास्ट परियोजना शामिल हैं। इनमें सोहागपुर एरिया की दो-दो खदानों का चयन होना इस क्षेत्र की कार्यकुशलता, अनुशासन और उत्कृष्ट खनन प्रबंधन का प्रमाण माना जा रहा है। कोयला मंत्रालय की स्टार रेटिंग प्रणाली देश की कोयला एवं लिग्नाइट खदानों का व्यापक मूल्यांकन करती है। इस मूल्यांकन में सुरक्षित एवं वैज्ञानिक खनन, पर्यावरण संरक्षण, भूमि पुनर्वास, आधुनिक तकनीकों का उपयोग, श्रमिक सुरक्षा एवं कल्याण, वैधानिक अनुपालन, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा परिचालन दक्षता जैसे अनेक महत्वपूर्ण मानकों पर खदानों का परीक्षण किया जाता है।

PANDIT SHAMBHUNATH SHUKLA UNIVERSITY
NAVALPUR SHAHDOL (M.P.) 484001
Email :ptsnsuniversity@gmail.com
Tender-id: 2026_PSNSU_520055_1Tender Ref: 943/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में Wifi की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य हेतु फर्मो / कंपनियों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें तथा निविदा प्रपत्र ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल www.mptenders.com से डाउनलोड कर सकते हैं निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि 08 .07 .2026 एवं अंतिम तिथि 27 .07 .2026 होगी।

कुलसचिव